

# हाशिये की आवाज़

संघर्षरत्न लोगों की प्रथम मासिक पत्रिका

## विषय-सूची

### संपादक

रंजित तिग्गा

### संयुक्त संपादक

कमलकान्त प्रसाद

### सह-संपादक

रत्नेश कातुलकर

### सम्पादन सहयोग

सैयद परवेज़

### सदस्यता शुल्क

वार्षिक : ₹ 150

द्विवार्षिक : ₹ 300

आजीवन : ₹ 3500

सदस्यता शुल्क राशि डी.डी./पोस्टल ऑर्डर/मनीऑर्डर द्वारा इंटीग्रेटेड सोशल इनिशिएटिव्स के नाम पर भेजें।

इंटीग्रेटेड सोशल इनिशिएटिव्स  
(Integrated Social Initiatives)

10-इन्स्टीट्यूशनल एरिया

लोदी रोड, नई दिल्ली-110003

फोन : 011-49534156/132

वेब : [www.isidelhi.org.in](http://www.isidelhi.org.in)

ईमेल : [hka@isidelhi.org.in](mailto:hka@isidelhi.org.in)

'हाशिये की आवाज़' के जिन सदस्यों को किन्हीं तकनीकी कारणों से अपनी प्रति प्राप्त नहीं हुई है, वे इस विषय में हमें तीन माह के भीतर सूचित कर निःशुल्क वैकल्पिक प्रति प्राप्त कर सकते हैं, किन्तु तीन महीनों के उपरान्त मिलने वाली सूचना पर हम आपको निःशुल्क प्रति उपलब्ध कराने में असमर्थ रहेंगे।

मन की नहीं, जन की बात सुनों!

सम्पादकीय

वंचितों का अर्थशास्त्र और निरन्तर...असमानताएं (विशेष आलेख)

कमलकान्त प्रसाद

भारत में आर्थिक आपातकाल और तानाशाही... (प्रमुख आलेख)

रत्नेश कातुलकर

कालेधन की वापसी के नाम पर नोटबन्दी (आर्थिक विश्लेषण)

विगुल मजदूर दस्ता, नौजवान भारत सभा, दिशा छात्र संगठन

कालेधन पर लगाम के नाम पर मुद्रा परिवर्तन...

संजीव खुदशाह

नोटबन्दी में बड़ी कम्पनियों को लूट की छूट

दिलीप खान

लोकतंत्र, उत्तर लोकतंत्र और वंचितों के अधिकार

अरुण पाल

भारत में भूख और भुखमरी के लिए जिम्मेवार कौन?

डॉ. प्रेमपाल सिंह वाल्यान

नोटबन्दी स्कीम में कालाधन...-ऊषा रामानाथन (आमने-सामने)

सुहास मुशी

भुखमरी और कुपोषण के खिलाफ कब होगा सर्जिकल स्ट्राइक?

जाहिद खान

उठो, तोड़ डालो आर्थिक संकट बढ़ाने वालों को!

विजय आर. के.

हाशिये पर नट सरफुद्दीन साहब

डॉ. वसीम अख्तर

भारत में कैदियों के अधिकार (विधि विधान)

नवल भक्त

गुलाबी सूट (कहानी)

डॉ. कुसुम माथुरी टोप्पो

गुनहगारों को सबसे अद्भुत सजा

उधान जयवंता

जननायक महिषासुर : धार्मिक खोट पर चोट (पुस्तक समीक्षा)

राज वाल्मीकि

आवरण डिजाइन : रूबेन मिंज

हाशिये की आवाज़ में प्रकाशित लेख एवं उनमें व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। संपादक, प्रकाशक तथा मुद्रक लेखों में व्यक्त विचारों के लिए किसी तरह भी जिम्मेदार नहीं हैं।